भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2234

12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्वास्थ्य क्षेत्र में कोविड के बाद की तैयारी

†2234. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डाः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) चालू वर्ष सहित विगत दस वर्षों में प्रत्येक वर्ष प्रति 1000 जनसंख्या पर चिकित्सकों की संख्या कितनी है और क्या ऐसे आंकड़े केन्द्रीय रूप से रखे जाते हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) चालू वर्ष सहित विगत दस वित्तीय वर्षों के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार बजट आबंटन का ब्यौरा क्या है;
(घ) कोविड-19 के बाद देश में सरकार द्वारा ऑक्सीजन संयंत्रों, आईसीयू/बिस्तर क्षमता, स्वास्थ्य कार्यबल, डिजिटल स्वास्थ्य और निगरानी प्रणालियों में निवेश सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार क्या विशेष उपाय किए गए हैं; और
(ङ) क्या भविष्य के स्वास्थ्य संकटों की तैयारी पर कोई आकलन या मूल्यांकन किया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और निष्कर्ष क्या हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): 13,88,185 पंजीकृत एलोपैथिक चिकित्सक और 7,51,768 पंजीकृत आयुष चिकित्सक हैं। यदि मान लिया जाए कि एलोपैथिक और आयुष दोनों प्रणालियों में पंजीकृत चिकित्सकों में से 80% उपलब्ध हैं, देश

में चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात लगभग 1:811 अनुमानित है। पिछले दस वित्तीय वर्षों के दौरान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को हुआ बजट आवंटन संबंधी विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भविष्य में आने वाली महामारियों और जन स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए बेहतर तैयारी करने के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की स्वास्थ्य प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण में समर्थन किया जाता है। इस समर्थन में स्वास्थ्य अवसंरचना का उन्नयन, प्रयोगशाला एवं निगरानी नेटवर्क का विस्तार, चिकित्सा लॉजिस्टिक्स में सुधार, और लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) टैंकों की स्थापना शामिल है।

दीर्घकालिक राष्ट्रीय तैयारी के सुदृढ़ीकरण के लिए, ₹64,180 करोड़ के व्यय के साथ प्रधानमंत्री–आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) लागू किया गया है। इसके मुख्य घटकों में एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) की स्थापना/सुदृढ़ीकरण, ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयाँ (बीपीएचयू), गहन परिचर्या अस्पताल ब्लॉक (सीसीबी), और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एकीकृत स्वास्थ्य सूचना पोर्टल का विस्तार शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, कोविड-19 के दौरान, ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए देशभर में 1,225 पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किए गए थे। मंत्रालय द्वारा उनके नियमित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित किए जाते है।

*****

दिनांक 12.12.2025 के लिए नियत लोकसभा अतारांकित 2234 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

(कुल रुपये करोड़ों में)

वर्ष	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान
2015-16	31050.00	32819.00
2016-17	3706 1.55	38343.33
2017-18	47352.51	51550.85
2018-19	52800.00	54302.50
2019-20	62659. 12	62659. 12
2020-21	65011 .80	78866.00
2021-22	71268.77	82920.65
2022-23	83000.00	76370.40
2023-24	86175.00	77624. 79
2024-25	87656.90	86582.48

*****